Om Shanti
28.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, अब आपकी अचल, अडोल और एकरस स्थिति होनी चाहिए।

ऐसी स्थिति वाली आत्मा ही second में तन से न्यारी हो सकती है।
यदि हलचल में होंगे, तो detach होना मुश्किल हो जायेगा...।

अचल, अडोल, एकरस स्थिति बनाने के लिए मालिक सो बालक बन जाओ ... अर्थात् सभी कर्मेन्द्रियों के मालिक बन उन्हें अपनी आज्ञा अनुसार चलाओ ... फिर बाप के बच्चे, अर्थात् बालक बन, सर्व समर्पण हो जाओ...।

जब सब कुछ है ही ईश्वर का, फिर तो आप बेफिक्र अर्थात् अचल स्थिति में स्थित हो गए ना...!

बच्चे, अचल स्थिति के लिए present में रहना अति आवश्यक है।

देखो, past तो वैसी भी व्यर्थ है ... जो आत्मा को भारी कर देता है और आपका future बाप के हाथ में सुरक्षित है।

बस, बाप पर निश्चय रख निश्चिन्त रहो ... और present में तो बाप है ही आपके साथ, इसलिए सदा बाप की अँगुली पकड़ चलते चलो...।
फिर तो मंज़िल पर पहुंचे की पहुंचे..।

बस बच्चे, attention दे पुरुषार्थ करते रहो, ज्यादा सोचो मत। ज्यादा सोचने पर थक भी जाते हो और अलबेले भी हो जाते हो ... फिर बताओ मंज़िल पर कैसे पहुंचोगे...?

इसलिए बाप पर 100% निश्चय रख, मंज़िल को बिल्कुल समीप मान, बहुत उमंग-उत्साह के साथ आगे से आगे बढ़ते जाओ...।

हर कमी-कमज़ोरी को full-stop लगा, बिंदु बन, बिंदु बाप के संग जाकर बैठ जाओ...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
27.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, आप अपनी यात्रा पर तत्पर रहो अर्थात् आपकी मन-बुद्धि केवल अपनी यात्रा पर और अपनी मंज़िल पर पहुँचने की attention में रहें।

बच्चे, आपको सदा अपने ऊँच स्वमान में स्थित हो परमात्मा बाप को संग रख, अपनी यात्रा सम्पन्न कर, सम्पूर्ण बन, इस विश्व का कल्याण करना है।

इस समय सभी आत्माओं की नज़र direct-indirect आप बच्चों पर ही है।

सभी आत्मायें आप बच्चों का आह्वान कर रही है कि हे दुःखहर्ता-सुखकर्ता आओ..., आकर हमारा कल्याण करो...! और बाप की नज़र भी आप बच्चों पर ही है कि जल्दी से जल्दी बच्चे अपनी यात्रा पूरी कर सारे विश्व का परिवर्तन करें।

देखो बच्चे, आप निमित्त बनते हो सर्व के कल्याण के लिए, इसमें अकेला बाप भी कुछ नहीं कर सकता।
वो भी drama के नियम में बँधा हुआ है।

देखो, बाप तो आ सभी आत्माओं को एक-समान पालना देता है और पढ़ाई भी एक-समान पढ़ाता हूँ ... परन्तु बच्चे अपने निश्चय और प्यार के according अर्थात् सच्चा दिल जोकि आदि से अन्त तक रहा ... उसी के according नम्बरवन और नम्बरवार बन जाते हैं।

इसलिए आप स्वयं पर और बाप पर निश्चय रख, आगे से आगे बढ़ते रहो...।

बस, बहुत-बहुत जल्दी ही drama का scene परिवर्तन होने वाला है।
इस समय सभी आत्मायें अपने अभी तक बजाए गए part के according ही परिस्थितियों का सामना कर रही है और करती रहेंगी अर्थात् जिस आत्मा ने accurate part play किया होगा, वो तो सहज ही न्यारा हो ऊँच भाग्य बना लेगी और दूसरी आत्मायें अति दुःख में फँस जायेगी...!

परन्तु आपकी powerful शुभ-भावना, उन आत्माओं का कल्याण कर उनको घर (परमधाम) का रास्ता दिखायेगी...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
26.02.2019

★【आज का पुरूषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, आप आत्माएं point of light हो..., और बाबा भी point of light हैं...।

• गुण और शक्तियाँ...?
वो भी light हैं...।
• परमधाम...?
वहाँ भी light है...।
और
• सूक्ष्मवतन में...?
वहाँ भी light ही light है...।

बच्चे, जब सबकुछ light है फिर आप स्वयं को भी light अनुभव करो ना...।

जितना आप स्वयं को point of light समझोंगे, तो आपका तीसरा नेत्र खुल जायेगा। इससे आप त्रिकालदर्शी बन जाओगे।

बच्चे, स्वयं को light समझ light को अर्थात् हर गुण और शक्ति को order प्रमाण चलाओ ... उन्हें स्व-कल्याण सो विश्व-कल्याण के निमित्त use करो।

जितना-जितना आप light का अनुभव बढ़ाते जाओगे, उतना ही सहज रीति आप इस स्थूल दुनिया से न्यारे होते जाओगे।

यह न्यारापन आपको सहज ही बाप-समान बना, बाप (परमात्मा शिव) के संग बिठा विश्व-परिवर्तन का कार्य कर देगा।

बाबा बार-बार कह रहे हैं कि बच्चे, स्वयं को light अनुभव करो ... सोचों मैं light हूँ ... बस light ही light है ... इस light से इस अंधकारमय दुनिया में रोशनी आ जायेगी।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
25.02.2019

★ 【आज का पुरुषार्थ】 ★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, बार-बार यह अभ्यास करो कि मैं *light* ... *light* के शरीर में हूँ...।
बस मैं *light* हूँ ... और इसी *light* में सभी गुण और शक्तियां है।

बच्चे, बार-बार इस *light* का अभ्यास कर इसमें सभी गुण और सभी शक्तियों का अनुभव करो।
बार-बार attention दे ऐसा करो...।

हिम्मत रख करते चलो, हिम्मत रखने पर बाप की मदद है ही है ... और जहाँ परमात्मा बाप की मदद है वहाँ यह अनुभव ना हो, यह असम्भव है...।

बस, हिम्मत रख बार-बार स्वयं पर attention दो ... चलता-फिरता *light house* बन जाओ...।

जब आप बाप पर 100% निश्चय रख यह अभ्यास करते हो, तो आपकी एकाग्रता बढ़ जाती है, जिससे सफलता बहुत जल्द ही प्राप्त हो जाएगी...।

और जब आप बच्चों ने स्वयं को एक *light house-might house* अनुभव कर लिया, तो अन्य आत्माओं को भी आपसे साक्षात्कार होना शुरु हो जायेगा ... क्योंकि जब तक आप स्वयं को *light* अनुभव नहीं करते तब तक आपका सम्पन्न स्वरूप भी आपको धारण नहीं कर सकता...!

इसलिए, इस अभ्यास को बढ़ाते चले जाओ ... और जब इस अभ्यास में आपको सुख-शांति की अनुभूति होनी शुरु हो जाएगी अर्थात् न्यारापन अनुभव होना शुरु हो जायेगा ... तब ही आपका परिवर्तन सो इस विश्व का परिवर्तन हो पायेगा...।

देखो बच्चे, आप भी *light* ... आपका बाप भी *light* और आपका घर (परमधाम) भी *light*...।

बस *light ही light* है...।

भृकुटी के मध्य एक *powerful light* का अनुभव करो...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
24.02.2019

★ 【आज का पुरूषार्थ】 ★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, इस ब्राह्मण जीवन में balance की अत्यधिक आवश्यकता है, क्योंकि लौकिक में रहते अलौकिक जीवन जीना, यह एक knowledgeful आत्मा अर्थात् बुद्धिमान आत्मा ही knowledgeful हो सकती है ... और पूर्ण रीति balance बना, अलौकिक जीवन जीते लौकिक सम्बन्धों को ठीक रीति निभा सकती है ... और इसी के लिए गुणों और शक्तियों की ज़रूरत है...।

देखो बच्चे, आप हो प्रवृति मार्ग वाले, पवित्र गृहस्थ आश्रम वाले ... और आपको अपने कर्म व्यवहार और अपने बोल से ही प्रत्यक्ष होना है।

इसलिए स्वयं पर full attention रखनी है।

दिनचर्या के हर कर्म में, बोल में balance बनाकर चलो, जिससे ना तो आप disturb होंगे और ना ही अन्य...।

देखो बच्चे, इस drama में हर आत्मा का part अर्थात् स्व-स्थिति, परिस्थिति, ज्ञान, योग, प्राप्तियाँ अपनी-अपनी है ... एक की ना मिलें दूसरे से...।

इसलिए अपना सब कुछ बाप को समर्पण कर, knowledgeful बन, आगे से आगे बढ़ो...।

यदि कहीं भी मूँझते हो तो आपस में रूह-रिहान कर स्वयं को ठीक करो ... अन्यथा भारी हो जाओगे, फिर उड़ना मुश्किल हो जायेगा...!

बस बच्चे, बाप (परमात्मा शिव) पर निश्चय और स्वयं के part पर निश्चय रख आगे से आगे बढ़ो।

आपके हर कदम में बाप की श्रीमत समाई हुई होनी चाहिए ... क्योंकि खेल एक second में ही परिवर्तन हो जायेगा ... फिर आप कुछ नहीं कर पाओगे ... जो करना है अभी-अभी कर लो, फिर ना ही बाप मिलेगा और ना ही यह ऊँच भाग्य बनाने की विधि...।

अभी-अभी कर लो, अन्यथा कभी भी नहीं...! अर्थात् कल्प-कल्प की यहीं नूँध हो जायेगी...।

बस, बाप की अंगुली पकड़ चलते चलो, समय आते ही बाप अपनी गोदी में बिठा, ऊपर बिठा लेगा...।
अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
23.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, अब समय अनुसार स्वयं परिवर्तन के साथ-साथ विश्व-परिवर्तन के कार्य की गति तीव्र करो।

देखो बच्चे, समय बिल्कुल अति में जा रहा है, तो अन्त भी बिल्कुल समीप ही है।

बस, आप विश्व globe पर बैठ परिवर्तन के संकल्प के powerful vibrations फैलाओ ... जिससे सभी आत्मायें शान्त हो घर (परमधाम) जायें, फिर नम्बरवार इस साकार दुनिया में आ अपना part बजायें...।

देखो, दुनिया में दुःख अति में बढ़ता जा रहा है ... हर आत्मा अन्दर से दुःखी, परेशान और हताश हो चुकी है।

बस, जैसे ही आप powerful दुःखहर्ता-सुखकर्ता की seat पर set होंगे, तो दुनिया के परिवर्तन का कार्य शुरू हो जायेगा।

जैसे;
ताश के पत्तों से ऊँची इमारत बनाई जाये, चाहे कितनी भी carefully बनाई जाये, परन्तु जितनी ऊँची बनाते जायेंगे तो एक ऐसा समय आयेगा जो थोड़ा-सा imbalance से, वा minor सी हवा से ही यह पूरी की पूरी इमारत एक second में गिर जायेगी...!

इसी तरह, अल्पकालीन सुखों से बनी इस दुनिया का भी अन्त का समय आ गया है। इसे गिरने में एक second भी नहीं लगेगा।

बस, हमें अपनी powerful seat पर set हो यह संकल्प करना है।
जैसे ही विजयी रत्न अपनी seat पर set होंगे, तो नम्बरवार सभी आत्मायें भी अपनी seat पर आ जायेंगी ... और फिर उनके संकल्पों से यह पुराना खेल खत्म हो और नया सतोप्रधान खेल शुरू हो जायेगा...।
अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
22.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, गुण स्वरूप और शक्ति स्वरूप बनो अर्थात् अपने गुणों और शक्तियों के स्मृति स्वरूप रहो।

इस समय आप बच्चों के पास यही एक अनमोल खज़ाना है, जिसके द्वारा आप प्रत्यक्षता का झण्डा लहराओगे।

जैसे;
किसी भी आत्मा को अपनी सारी जायदाद कहो, खज़ाने कहो की स्मृति रहती है कि मेरे पास यह-यह है..., इसी तरह आपको भी स्मृति में रहना चाहिए कि मेरे पास सभी गुण और सर्व शक्तियाँ हैं, तब ही तो आप बच्चों के गायन में सर्वगुण सम्पन्न कहा जाता है...।

तो बच्चे, अपने पूज्यपन की स्मृति में रह कर्म व्यवहार में आओ ... आपकी प्रत्यक्षता ही बाप को प्रत्यक्ष करेगी...।

बच्चे, जब आप अपनी दिनचर्या बाप की श्रीमत् प्रमाण बिताते हो, तो आपके हर कदम में पदम है।

देखो बच्चे, बाप आप बच्चों को विश्व के आगे sample बना प्रत्यक्ष करेगा ... तो आपको भी all-round part बजाना पड़ेगा।

यह नहीं कि सबकुछ छोड़कर तपस्या करनी है..., नहीं...।

बच्चे, सब कुछ करते हुए double light अर्थात् मैं light, powerful light के नीचे हूँ और मन से बिल्कुल हल्के हो रहना है।

बच्चे, इसी तरह बाप (परमात्मा शिव) को संग रख चलते चलो। बस, अपनी मनमत mix मत करना...।

बच्चे, आप कही भी हो, यदि बाप की याद में हो ... तो बाप आप बच्चों के संग है और आपके हर कदम में कल्याण ही कल्याण है...।

इसलिए drama के पट्टे पर बाप को संग रख सीधे चलते चलो...। कोई question mark नहीं ... बस बिन्दु...। फिर आप अपनी मंज़िल पर पहुँचे की पहुँचे...। अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
21.02.2019

★【आज का पुरूषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, आप मास्टर दाता बन जाओ अर्थात् सम्पन्न...।

स्थूल और सूक्ष्म सभी तरफ से भरपूर, कोई इच्छा नहीं...।
ना ही कोई प्रकार की स्थूल इच्छा, ना ही सूक्ष्म ... अर्थात् बाबा जो खिलाये, जहाँ बिठाये, जिस हाल में भी रखे ... सदा सन्तुष्ट...।
तब ही आप हर आत्मा की इच्छा को पूर्ण कर सकते हो।

यदि स्वयं में 1% की कमी हुई अर्थात् कभी भी कोई भी इच्छा जागृत होती है, तो आप भरपूर वा सम्पन्न नहीं हो ... तो आपसे आत्माओं को उस इच्छा की प्राप्ति नहीं होगी, जिस इच्छा को पूरी करने की आपकी इच्छा होगी...!

इसलिए अब आपको स्वयं पर attention देना है कि आप सदा सन्तुष्ट हो...?

बस, अब आपके अन्दर एक ही इच्छा होनी चाहिए कि बाप-समान बन बाप से मिलन मनाऊँ ... और जब आपकी सभी इच्छायें जड़ से खत्म हो जायेंगी, तो बस बाप से मिलन का अद्भुत अनुभव होना शुरू हो जायेगा।

इसके लिए आपको attention देना है, भारी नहीं होना ... attention देते-देते बाप की मदद के पात्र बन जाओगे अर्थात् सभी इच्छायें 100% समाप्त हो जायेंगी।

तब आपकी झट से जन्मों-जन्मों की इच्छा अर्थात् प्रभु मिलन की इच्छा पूरी हो जायेगी...।

• जो आत्मा सम्पूर्ण हल्की होगी, वो ही दूसरों को हल्का कर सकती है।
• जो सम्पूर्ण सन्तुष्ट होगी, वो ही दूसरों को सन्तुष्ट कर सकती है।
• इच्छा मात्रम् अविद्या वाली आत्मा ही विश्व की आत्माओं की इच्छा को पूर्ण कर सकती है।

इसलिए बच्चे, सब कुछ करते ... सब कुछ के बीच में रहते, सबसे न्यारे - इसे कहते बाप-समान आत्मा...।

100% attention दिया, तो हुआ ही पड़ा है ना...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
20.02.2019

★【आज का पुरूषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, जो उच्चतम् स्वमान बाप आप बच्चों को दे रहा है, उसके स्मृति स्वरूप बन जाओ।

पहले स्वयं पर निश्चय रख यह 100% accept करो कि मैं ही हूँ...।

जब आप संकल्पों के द्वारा अपने उच्चतम् स्वमान को स्वीकार कर लोगे तो स्वमान में स्थित होना सहज हो जायेगा ... और जितना आप अपने स्वमान में स्थित रहोगे, उतना ही आप इस दुनिया से न्यारे अर्थात् इस कलियुगी दुनिया की तमोप्रधानता से न्यारे होते जाओगे..।

और न्यारी आत्मा ही सभी की प्यारी बन सकती है, अर्थात् सभी के सामने प्रत्यक्ष हो सकती है।

देखो बच्चे, माला नम्बरवार ही पिरोई जाती है ... इसलिए जब पहला और दूसरा मणका अपनी-अपनी post पर पहुँचता जायेगा तो automatically एक मणके के नज़दीक दूसरा, तीसरा आता जायेगा अर्थात् सब नम्बरवार तैयार होते जायेंगे।

इसलिए, आप स्वयं को आधारमूर्त समझ व्यवहार में आओ...।

माला के सभी मणके प्रत्यक्ष होंगे। इसलिए, हर बच्चे को स्वयं पर इतना attention रखना है कि हम साधारण नहीं है, विशेष है।

तो हमारा उठना, बैठना, बोलना, चलना, फिरना सब विशेष हो, तब ही तो हर मणका अपनी-अपनी चमक दिखा, अपनी-अपनी seat पर set होगा...।

बस बच्चे, इस समय सब बच्चे अपनी ऊँच authority के स्मृति स्वरूप बनो। इसके लिए बाप को संग रखना अति आवश्यक है।

परमात्मा बाप का साथ ही जल्द से जल्द आपको मंज़िल पर पहुँचा देगा...। अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
19.02.2019

★ 【आज का पुरुषार्थ】 ★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, अपनी checking करते रहो कि...,
• मेरे संकल्पों में किसी भी आत्मा से कोई complaint तो नहीं है...?
• और साथ ही साथ क्या, क्यों, कैसे, ऐसे, वैसे अर्थात् कोई भी question mark या excuse तो नहीं है...?
• अर्थात् आप एक सम्पूर्ण प्रेम स्वरूप आत्मा हो...?
• आपके अन्दर हर एक आत्मा, चाहे वो कैसी भी हो ... उन सबके प्रति दिल से शुभ भावना, शुभ कामना है...?
तब ही आप खुश और हल्के रह सकते हो...।

देखो, यह जो कल्प का अन्तिम scene चल रहा है ... तो समय प्रमाण सभी आत्मायें तमोप्रधान बन चुकी है और वो अति गिरावट की तरफ जा रही हैं।

परन्तु दूसरी तरफ, आप परमात्मा बाप के संग रह, उनकी श्रीमत प्रमाण ऊपर से ऊपर उड़ते जा रहे हो ... और आपकी प्रेम और कल्याण की भावना ही उनका परिवर्तन करेगी।

इसलिए, अपने संकल्पों को शुद्ध और पवित्र (अन्दर-बाहर एक), शुभ भावना, शुभ कामना से सम्पन्न रखो, तब ही आप बाप-समान बन, बाप के कार्य में सहयोगी बन सकते हो।

बच्चे, अपनी speed तीव्र करो ताकि आप समय से पहले सम्पन्न बन अर्थात् अव्वल number में आ, अपनी final seat पर set हो जाओ।

बस बाप को भी उसी समय का इंतज़ार है...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
18.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, जबकी यह कल्प का, अन्तिम से भी अन्तिम समय जा रहा है और परमात्मा बाप भी अपने प्यारे-प्यारे बच्चों की direct पालना के लिए आ गया है, तो बाप की 100% नज़र अपने बच्चों पर ही रहती है कि बच्चे, किस स्थिति में स्थित रहते हैं...!

तो बाबा ने देखा कि बच्चे स्वयं पर attention भी रख रहे हैं और बड़े प्यार से स्व-परिवर्तन का पुरुषार्थ भी कर रहे हैं...। परन्तु बीच-बीच में अलबेले हो जाते हैं...!

बच्चे, अब समय व्यर्थ करने का समय नहीं है...।

जितनी आप पर बाप की नज़र है, उतना ही आप स्वयं पर attention रखो।

दूसरा, ज्यादा मेहनत मत करो...। जो भी कमी-कमज़ोरी आती है उसे झट से छोड़ दो। जब आप उसे अपनी समझ लेते हो तो उसे छोड़ने का पुरुषार्थ करते भी वो छूटती नहीं..., फिर थक जाते हो...!

इसके लिए ... एक तो स्वयं को ऊँच स्वमान में स्थित रख बाप के संग रहो। दूसरा, कोई गलती हो तो उसे झट से छोड़ अपने अनादि संस्कारों का सिमरण करो। जिससे आपमें शक्ति भर जायेगी।

और इस समय तो आप बच्चों को बाप (परमात्मा पिता) का भी full सहयोग है।

बस बच्चे, बाप के प्यार में समा जाओ, खो जाओ, जिससे आप सहज ही बाप-समान बन जाओगे...।

यह यात्रा ऊँची-नीची अर्थात् smooth नहीं है ... इसलिए बच्चे थक जाते हैं, परन्तु धैर्यतापूर्वक चलते चलो...।

बाप पर निश्चय रख, बाप की अंगुली पकड़े रखो। फिर आप भी जल्दी अपनी मंज़िल को अनुभव कर पाओगे...।
मंज़िल को अनुभव करना ... अर्थात् सुख और आनन्द का अनुभव करना...। अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
17.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, ऐसे अनुभव करो कि जैसे एक बहुत powerful light विश्व globe की तरफ बहुत तेज़ी से आ रही है।

बच्चे, यह पवित्रता की light है ... जिसके धरती पर आने पर सभी विकारों का नाश हो जायेगा और पवित्र दुनिया की स्थापना हो जायेगी...।

देखो बच्चे, धरती की सफाई हो रही है ... इसलिए, तमोप्रधानता अति में दिखाई दे रही है, परन्तु यह अन्त की निशानी है।

अब वो समय है जब अन्त भी अति में है ... अर्थात् अब कल्प की बिल्कुल अन्तिम घड़ियाँ चल रही है, जिसमें सभी आत्माओं की सफाई हो रही है...।

और इस समय जो-जो आत्मायें इन विकारों से सुख और खुशी की minor सी भी अनुभूति कर रहे हैं, तो उन आत्माओं को भी दुःख की भासना आयेगी ... अर्थात् जितना इन विकारों से सुख का अनुभव कर रहे हैं, उससे पदमगुणा ज्यादा दुःख का अनुभव करेंगे...!

और दूसरी तरफ आप आत्मायें, जोकि बाप-समान बनने का पुरुषार्थ कर रहे हो, वो बहुत ही जल्द नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार बाप-समान बन जायेंगे...।

देखो, यह बाप पारलौकिक बाप है ... जो अति सूक्ष्म से सूक्ष्म परन्तु साथ ही साथ सर्वशक्तिमान् है...।

तो बाप आप बच्चों में ऐसी शक्ति भर देगा जिससे आप सहज ही इस कलियुगी दुनिया से न्यारे हो बाप-समान स्थिति का अनुभव करोगे...।

बस बच्चे, सबकुछ भूल एक परमात्म प्यार में खो जाओ ... समा जाओ..., बस और कुछ नहीं करना। बार-बार परमात्मा की गोद में जाकर बैठ जाओ।

आप सम्पन्नता के बिल्कुल नज़दीक हो, इसलिए ज्यादा सोचो मत...। बस बाबा के प्यार में खोये रहो...।

यह परमात्म प्यार ही न्यारापन लायेगा...।

कुछ भी हो जाये ... चाहे किसी से, चाहे स्वयं से, वो सब कुछ बाप (परमात्मा पिता) को सुना बाप की गोद में समा जाओ...।

प्रेम करो परमात्मा से, प्रेम ही सुख का सार है...। अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
16.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... आप बच्चों को हर आत्मा के साथ बहुत-बहुत प्यार के साथ रहना है, परन्तु अब आप बच्चे अपने सम्बन्ध-संपर्क में आने वाली आत्माओं को ज्यादा ज्ञान सुनाना बन्द करो।

Check करो ... इतने सालों तक आपने अभी तक उन्हें ज्ञान दिया, उसका result क्या...?
अब उन्हें बाप हवाले करो...।

देखो बच्चे, किसी भी आत्मा के प्रति शुभ भावना, शुभ कामना रखना अच्छा है, परन्तु check रखना कि शुभ भावना, शुभ कामना मोह वश ना हो...!
क्योंकि मोह वश रखी शुभ भावना, शुभ कामना अपना कार्य नहीं करती...!

मोह में फँसी आत्मा किसी का कल्याण नहीं कर सकती...!

इसलिए महीनता से अपनी checking रखना कि मेरी यही भावना हर आत्मा के प्रति है या कुछ एक आत्मा के प्रति...?

देखो, बाबा ने आप बच्चों को बता ही दिया है कि इस ईश्वरीय परिवार की सभी आत्मायें विशेष हैं, परन्तु नम्बरवार हैं...। इसलिए अब आप बच्चों को अपने आपको समझानी दे, स्वयं पर attention रख, स्वयं को बाप-समान बनाना है...।

वैसे भी देखो, जब आप किसी को ज्यादा ज्ञान सुनाते हो तो उसके अन्दर नहीं जाता ... परन्तु जब आप छोड़ देते हो, तो वो अपनी मन-बुद्धि चलाता है...।

जैसे;

किसी बच्चे को जब swimming सिखाई जाये और वो ना सीखें, तो उसे पानी में छोड़ दो, तो वो स्वयं को बचाने के लिए अपने हाथ-पांव मार बाहर आ जाता है, क्योंकि उसने सीखा तो सही ... परन्तु अनुभव ना करने के कारण ध्यान नहीं दिया...।

इसी तरह कुछ एक आत्माओं को छोड़ने में ही उनका कल्याण और आपका कल्याण समाया हुआ है।

आप अपने अन्दर कोई कमज़ोर संकल्प मत लाओ।
• कमज़ोर संकल्प आगे बढ़ने नहीं देता...।
• उमंग-उत्साह में रहो।
• अपनी विशेषताओं को देखो, तो आपकी गति तीव्र हो जायेगी...।

बाबा किसी भी बच्चे की कमज़ोरी तब बताता है ... जब बाबा यह देखता है कि बच्चा, सच्चे दिल से पुरुषार्थ कर रहा है, परन्तु ज्ञान को ठीक रीति ना समझने के कारण आगे नहीं बढ़ रहा है...! इसलिए उसके कल्याणवश बाबा उसे समझानी देता है।

बच्चे, अपना attention बढ़ाते चलो ... आपकी सम्पन्नता ही अन्य आत्माओं को खींचेगी।

यदि आप इतना समय लगाओगे, तो वो आत्माएं सम्पन्न कब बनेंगी...?

समय की रफ़्तार को देख, पुरुषार्थ करो।
अब अलबेलापन 100% छोड़, दृढ़तापूर्वक पुरुषार्थ करो...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
15.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, यह drama बहुत lawful बना हुआ है। इसमें first number से last number की आत्मा के लिए same law है।

बस, सभी आत्मायें अपनी-अपनी शक्ति अनुसार अपना part play करती हैं ... और उसी according परमधाम में भी अपनी-अपनी seat ग्रहण करती है।

इसी कारण सभी आत्मायें अन्त के समय खुश और सन्तुष्ट हो घर (परमधाम) जाती है।

बस बाप (परमात्मा शिव) का काम तो सभी आत्माओं का कल्याण करना है अर्थात् उनके दुःख हर उन्हें शान्ति और सुख देना है।

सभी आत्माओं की light अपनी-अपनी है।
किसी की अत्यधिक ज्यादा light है, किसी की कम ... अर्थात् नम्बरवार है और वो उसी according ही विश्व में light फैला रहे हैं।

जैसे स्थूल में भी bulb होते हैं, उनकी अपनी-अपनी voltage होती है, उनका connection एक ही powerhouse से होने के बावजूद, light वो अपनी power के according फैलाते है...।

इसी तरह जितनी powerful आत्मा अर्थात् जितनी ज्यादा light है, उतनी ज्यादा power वो बाप से खींचती है।

बच्चे, जितना आपके संकल्पों में विश्व-कल्याण का कार्य समाया रहेगा, उतना ही आप बाप के समीप बैठ विश्व-कल्याण का कार्य कर पाओगे।

बस, इसके लिए स्वयं को ज़िम्मेवार आत्मा समझो...।

देखो, स्थूल में भी जिस कार्य की ज़िम्मेवारी समझते हो उसके लिए दिन-रात एक कर देते हो।

बच्चे, जिस चीज़ को भी आप दिल से accept कर लेते हो, उसे धारण करना सहज होता है और छोड़ना मुश्किल...।

इसी तरह, जब आप अपनी वा दूसरों की कमज़ोरी accept करते हो अर्थात् सोचते हो कि मेरा सोचना ठीक ही है ... इसके ऐसे करने पर ऐसा बोलना ठीक ही है ... तो फिर उस अवगुण का निकलना मुश्किल हो जाता है।

इसलिए स्वमान की seat पर set हो यह सोचो की मुझे क्या सोचना है, क्या बोलना है और क्या करना है ... क्योंकि दिल से किये गये कार्य में सफलता ना मिले, यह असम्भव है...।
हो सकता है result में थोड़ा समय लगे, परन्तु result powerful ही मिलेगा...।

बस, आप बाप की श्रीमत को दिल से accept कर चलते चलो। इसके बीच कोई question mark नहीं..., बस बिन्दु...।

फिर तो सहज ही आप बाप-समान बन जाओगे...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
14.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, संगठन में रहते समझानी तो देनी पड़ती है।

देखो, बाप भी आ अपने बच्चों को समझानी दे, दे ... क्या से क्या बना देता है...!

जब बाप अपने बच्चों को समझानी देता है, तो उसमें केवल प्रेम, रहम, कल्याण की ही भावना होती है। इसी तरह, आपकी समझानी में भी प्रेम, रहम और कल्याण ही समाया हुआ होना चाहिए, तो उस समझानी का positive result आयेगा, जिससे आपका भाग्य भी ऊँचा बन जायेगा।

बच्चे, बस वैसे ही करते जाओ जैसे बाप कहता है ... ज्यादा सोचो नहीं...।
हर बात में केवल अपना कल्याण समझो क्योंकि बाप आया ही है, आप बच्चों के कल्याण के लिए...।
बस बाप पर 100% निश्चय रखो।

बाबा की कमाल हर बच्चे के लिए होगी। हर बच्चा सन्तुष्ट और खुश होगा।

बस, इसके लिए स्वयं पर attention दे ... बाप की श्रीमत प्रमाण चलने का पुरुषार्थ करते रहो ... और कुछ मत सोचो...।

दूसरा, ध्यान में रखना - हर आत्मा इस समय अपना accurate part play कर रही है और साथ में आप बच्चे भी...।
इसलिए स्वयं के साथ-साथ हर आत्मा के part को साक्षी होकर देखो ... अर्थात् सर्व समर्पण हो जाओ...।

आपके सम्पूर्ण समर्पण होते ही परमात्म कार्य की speed तेज़ हो जायेगी ... जोकि पहले आप महसूस करोगे, फिर विश्व की सभी आत्मायें...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
13.02.2019

★ 【आज का पुरुषार्थ】 ★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, science हैं आत्माओं की बुद्धि द्वारा की गई खोज। यह powerful है और इस कलियुग के अन्त में मनुष्य आत्माओं के जीवन का आधार है।

परन्तु silence (शान्ति) - यह है परमात्म शक्ति ... जो इस समय आप बच्चों को बाप के द्वारा प्राप्त होती है ... और जिस आत्मा के पास यह शक्ति है, वो सदा विजयी है ... उसको जीतना असम्भव है।

जहाँ शान्ति है, वहाँ सन्तुष्टता है ... सहनशीलता है ... मधुरता है ... अचल स्थिति है ... अर्थात् सभी गुण और सभी शक्तियाँ है।

यदि शान्ति की percentage में फर्क है, तो आपके अन्दर अन्य गुण और शक्तियों में भी कमी होगी।

इसलिए हमेशा check करो कि;
• मैं कुछ भी बोलते हुए, करते हुए या सुनते हुए बिल्कुल शान्त अर्थात् अचल रहता हूँ...?
• कोई भी बात वा परिस्थिति मुझे हलचल में तो नहीं लाती...?

यदि हिलते हो तो फिर से अपनी शान्त स्थिति में स्थित हो बाप के संग जाकर बैठ जाओ, परन्तु हमेशा स्वयं पर attention रखना कि यह परमात्म शक्ति मुझे परमात्म gift के रुप में मिली है, जोकि मेरी विजय का आधार है ... तो इसे मुझे स्मृति में रख use करना है।
जितना आप use करोगे, उतनी यह शक्ति बढ़ती जायेगी...।

जिसके पास silence की शक्ति है, तो उसकी science पर विजय है ही है...।

हर पल स्वयं की checking करनी चाहिए कि हम शान्त हैं...?

हमें शान्ति की स्थिति को किसी भी हाल में नहीं छोड़ना है। यह शान्ति की स्थिति ही हमारी सभी प्राप्तियों का आधार है।
अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
12.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... देखो बच्चे, यह पढ़ाई ही स्व-परिवर्तन की है।

यह जो मन है ना, यही बस आपका है और सब तो पराया है ... और मन का प्रभाव ही इन (तन, धन, जन) सब चीज़ों पर पड़ेगा...।

और बाबा ने देखा है कि पहले से सबकुछ परिवर्तन हुआ है, और आप स्व की checking, स्व कर सकते हो।

लौकिक में भी कोई भी बड़ी seat अर्थात् कोई भी बड़े पद के लिए बड़ा इम्तहान pass करना पड़ता है और last paper सबसे difficult होता है, परन्तु एक intelligent बच्चे के लिए अर्थात् जिसने अपना समय अपनी पढ़ाई में लगाया है, वो easily final paper में भी pass हो जाता है।

इसी तरह, जो बच्चा अभी बाप की श्रीमत प्रमाण चल रहा है ... वो अवश्य ही बहुत जल्द से जल्द अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगा, वो भी बहुत सहज रीति।
बस बच्चे, आप अपनी checking करते रहो कि आपका मन कितना हल्का और खुश रहता है...?

जितनी जल्दी आप किसी भी बड़ी से बड़ी बात को बिन्दी लगा देते हो और जब आप सदा हल्के और खुश रहते हो, तो आप समझना कि बस अब एक कदम ही तो रह गया है...!

और देखो paper तो अन्त तक आयेंगे...।
प्रकृति के पाँचों तत्व और पाँचों विकार भिन्न-भिन्न रूप से अर्थात् नये-नये रूप से आपका paper ले अर्थात् आपको सम्पन्न बनाने आयेंगे। जब आप विजयी बन जाओगे, तो आप बच्चों के आगे यह समर्पण हो जायेंगे ... और यह ही तत्व और विकार positive रूप से आपके सहयोगी बनेंगे।
बस, अभी आप स्व पर attention रखो...।

देखो बच्चे, आप कर्म क्षेत्र पर हो, तो आप बच्चों को कर्म तो करना ही है अर्थात् कर्म में मन-बुद्धि को लगाना ही पड़ता है ... परन्तु आप checking रखो कि;
• कहीं भी आपको कोई खिंचावट तो नहीं है...?
• सबकुछ करते हल्के रहते हो क्या...?

अभी तक आप पुरुषार्थ कर बाप (परमात्मा शिव) को अपने संग रख रहे थे ... परन्तु अब आपकी natural nature बनती जा रही है, बाप को संग रखने की...।
और यदि आप हल्के और खुश रहते हो, तो आप परमात्मा बाप के संग भी हो और बाप-समान भी...। अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
11.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, अब तो हर आत्मा बाप (परमात्मा शिव) के ज्ञान को सुनना और समझना पसन्द करती है ... और वैसे भी ज्ञान को या स्वयं को प्रत्यक्ष करने के लिए ज्यादा वाचा शक्ति की ज़रूरत होती है।

परन्तु परमात्मा बाप को प्रत्यक्ष केवल बाप-समान बच्चे ही कर सकते हैं...।

यही अन्तिम कार्य स्वयं बाप अपने बच्चों के द्वारा करवाने direct आ गया है ... और बाप को आप बच्चों पर बहुत उम्मीदें है।

बस, अब आप बच्चे स्वयं को बाप-समान समझ हर संकल्प करो ... अपने संकल्पों में बाप के साथ की शक्ति भर दो, जिससे आपके एक-एक संकल्प समर्थ और powerful हो...।

आपके powerful संकल्पों से ही सृष्टि परिवर्तन होनी है...।
इसलिए अपने संकल्पों पर full attention रखो।

जितना-जितना बाप की याद आप बच्चों के अन्दर समाई हुई होगी, उतना ही आपका हर कार्य युक्ति-युक्त होगा।

बस बच्चे, अब आपके पास केवल शुभ संकल्पों का अर्थात् ज्ञान-गुण-शक्तियों से भरपूर संकल्प होने चाहिए।

बीज powerful हो और उसकी पालना स्वयं भगवान कर रहा हो तो फूल, फल और पत्ते कैसे होंगे...?
अर्थात् आप बच्चों के एक-एक कर्म और बोल बहुत सुखदाई होंगे...।

बस, स्वयं को बाप की श्रीमत प्रमाण चलाने का पुरुषार्थ करते रहो ... alert होकर पुरुषार्थ करना।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
10.02.2019

★ 【आज का पुरूषार्थ】 ★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, महसूस करो ... कि मैं एक बहुत चमकदार हीरा, ज्ञान-सूर्य की रोशनी के नीचे हूँ ... सूर्य की रोशनी पड़ने से मेरे में से भिन्न-भिन्न रंगों की powerful किरणें निकल, फैल रही है ... यह गुणों और शक्तियों की किरणें निकल चारों तरफ फैल रही हैं ... जैसे चकाचौंध हो जाती है ना, वैसा-सा ही scene है...।

बच्चे, स्वयं को हमेशा सभी खज़ानों से सम्पन्न आत्मा महसूस करो।

आप बच्चों के अन्दर सभी गुण और सभी शक्तियाँ विद्यमान है। आप परमात्मा बाप के समीप रत्न बच्चे हो ... तो आप हो गये मास्टर भगवान् ... तो आप सबको स्वयं को इतनी ऊँच authority समझकर चलना है।

अब आप बच्चों को बाप ने स्वयं आकर सारी स्मृति दिलाई है कि आप कौन हो और आपका कर्तव्य कितना powerful है ... और आप सर्वगुण और सर्वशक्ति सम्पन्न आत्मा हो...।

बस, आपको अपने गुणों और शक्तियों को use करना है। जितना आप use करोगे, उतनी ही आपकी स्मृति बढ़ती जायेगी...।
फिर जल्दी ही आपका original स्वरूप स्पष्ट नज़र आयेगा।

बस बच्चे, स्वयं पर और बाप पर निश्चय रख चलते जाना ... थकना मत ... आगे प्राप्तियाँ अपरमअपार है ... और बाप को संग रख उमंग-उत्साह के साथ आगे बढ़ो...।

बस बच्चे, drama का scene परिवर्तन होने वाला ही है।
बस, धैर्यतापूर्वक चलो अर्थात् wait and watch...

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
09.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, आप साधारण नहीं हो ... आप एक विशेषतम् आत्मा हो।
अपने ऊँच स्वमान को भूलो मत...।

देखो, बाप ने आप बच्चों को कितने ऊँच स्वमान दिये हैं;
• आप हो मास्टर भगवान्,
• मास्टर बाप
• मास्टर माँ
• मास्टर रचयिता ... आदि-आदि...।

हर पल अपने ऊँच से ऊँच स्वमान में स्थित रहो। जैसे ही आप बच्चे ऊँच स्वमान में स्थित होते हो तो आपकी powerful vibrations से आस-पास का वातावरण change होने लगता है ।
• आप विश्व कल्याणकारी, विश्व परिवर्तक आत्मायें हो ... फिर बताओ, आप बच्चों का अकल्याण कैसे हो सकता है...?
• आप हो विघ्न-विनाशक, फिर आप बच्चों के आगे विघ्न कैसे ठहर सकता है...?

समय अनुसार भिन्न-भिन्न स्वमान के स्मृति स्वरुप बनो, knowledgeful बनो, powerful बनो, समय की चेतावनी को समझो...।

ऐसा ना हो आप समय के इन्तज़ार में रहो और समय अन्दर ही अन्दर अपना कार्य finish कर, परिवर्तन का कार्य कर दे...।

देखो बच्चे, समय तो परिवर्तन होना ही है ... वो किसी के लिए भी रूकेगा नहीं..., इसलिए आप समय को परिवर्तन करने के निमित्त बनो, अन्यथा समय आपको परिवर्तन कर देगा और उसमें प्राप्ति कुछ नहीं - बस पश्चाताप ही है...!

इसलिए, बाप की ऊँच पालना का return दो ... समय से पहले स्वयं को परिवर्तन करो अर्थात् आपका ऊँचा स्वमान natural हो जाये...।
फिर समय परिवर्तन हो जायेगा और पुरुषार्थ finish...।
बस बच्चे, जो ओटे सो अर्जुन अर्थात् check and change... अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
08.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, सर्व समर्पण हो जाओ ... अर्थात् आप बच्चों के पास जो कुछ भी है, सब (बुद्धि से) बाप को सौंप दो...।

मैं और मेरेपन में रहने वाली आत्मा ना ही ज्ञानी है ... ना ही योगी ... और ना ही धारणा स्वरूप बन सकती है।
यदि किसी भी आत्मा के अन्दर minor सा भी मैं और मेरापन है, तो बाप-समान बनना असम्भव है।
इसलिए बच्चे, मैं और मेरा ... इसका त्याग करो...।

सूक्ष्म रीति स्वयं की checking करो और change करते जाओ ... निमित्त बन कर्म-व्यवहार में आओ, तब ही आप कर्म के प्रभाव से बचे रह सकते हो...।

जब भी किसी तरह की ज़िम्मेवारी स्वयं की समझते हो तो आप उसमें फँस जाते हो ... यदि उस कार्य की ज़िम्मेवारी कोई और सम्भाल लें, तो आप हल्के रह अन्य कार्य कर सकते हो।

और यहाँ तो स्वयं भगवान बाप बन, आप बच्चों की ज़िम्मेवारी उठाने आ गया ... फिर आपका कर्तव्य केवल बाप के कार्य में सहयोगी बनना ही है और इतने बड़े कार्य में सहयोगी केवल ज्ञान स्वरुप ... योग स्वरुप ... और धारणा स्वरुप आत्मा ही बन सकती है।
बाप के कार्य में सहयोगी आत्मा ही बाप-समान आत्मा है...।
जिस बच्चे को बाप पर 100% निश्चय है, वो ही सर्व समर्पण हो सकता है और बाप-समान बन सकता है...।

देखो बच्चे, इस समय बाप (परमात्मा शिव) केवल आप विशेष बच्चों के कल्याण के लिए ही आपको पढ़ाने आया है ... बस आप बाप पर निश्चय रखो।

देखो, भक्ति में भी गायन है कि "भगवान के घर देर है, अन्धेर नहीं ... जिस पर भगवान की नज़र है उसका कोई बाल भी बाँका नहीं कर सकता..." और यहाँ तो स्वयं भगवान आपका अपना बन गया ... भला कभी बाप अपने सपूत बच्चों का अकल्याण देख सकता है क्या...? नहीं ना...!
फिर बाप पर निश्चय रखो और बाप की knowledge को महीनता से समझ स्वयं की checking कर change होते जाओ।
अभी आप बच्चों को बाप का full सहयोग है।
फिर तो हल्के रहो, खुश रहो और उमंग-उत्साह के साथ बाप के संग रह अपनी मंज़िल तक पहुँचो...।

जो बच्चा इस समय बाप पर 100% निश्चय रख सर्व समर्पण हो चल रहा है, उसका हर कार्य समय से पहले होगा और अत्यधिक कल्याणकारी भी ... और जिस बच्चे के निश्चय में कमी है अर्थात् 'एक बल - एक भरोसा' नहीं है, उसका समय से पहले मंज़िल पर पहुँचना असम्भव है...। अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
07.02.2019

★ 【आज का पुरूषार्थ】 ★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, अब अपनी देह से ममत्व मत रखो, यह बिल्कुल जड़जड़ीभूत तन है। बस आप निमित्त बन इसकी संभाल करो, परन्तु इसमें फँसो मत। स्वयं को 100% बन्धनमुक्त बनाओ...।
• किसी भी स्थूल धरणाओं के लिए भी ज्यादा rigid मत बनो।
• सूक्ष्म धारणाओं की तरफ ध्यान दो ... अर्थात् स्वयं के स्वभाव-संस्कार को परिवर्तन करो।

आप बच्चों को 100% बाप की याद में अर्थात् किसी-न-किसी विधि द्वारा बाप के संग का अनुभव करने का पुरूषार्थ करना है...।

आप बच्चों को हठयोगी नहीं, सहजयोगी बनना है।
• सहजयोगी आत्मा ही हल्की और खुश रह सकती है।
• सहजयोगी अर्थात् बाप की याद में, बाप से रुह-रिहान में, या बाप को संग रखने में खुशी का अनुभव करना...।

बस आपका यही attention रहे कि मैं बाप की श्रीमत् प्रमाण अर्थात् मेरी मन्सा-वाचा-कर्मणा बाप की श्रीमत् प्रमाण है...?

जितना आप बाप की श्रीमत् प्रमाण चलोगे उतना ही आपको double light और हल्केपन का अनुभव होगा।

बस इसके लिए knowledgeful बनना है।
Knowledgeful आत्मा ही powerful बन सकती है और धारणा स्वरूप भी...।

बस आपका 100% attention केवल स्वयं पर होना चाहिए ... कोई आत्मा कुछ भी बोल रही है या कर रही है, उसे आप बाप हवाले कर दो या फिर बाप की श्रीमत् प्रमाण उसके साथ loveful और lawful होकर चलो ... परन्तु आप बच्चों की भावना अर्थात् intention उनके प्रति बहुत शुभ और कल्याण की होनी चाहिए...।
अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
06.02.2019

★【आज का पुरूषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... देखो बच्चे, परमात्मा बाप धरा पर आया ही है इस दुःख भरी दुनिया को सुख भरी दुनिया बनाने अर्थात् कलियुग को सतयुग बनाने ... और अति दुःख का समय आने से पहले ही बाप अपने बच्चों को पढ़ा अर्थात् ज्ञान और शक्ति दे इस दुःख की दुनिया से न्यारा कर देता है।

परन्तु उन बच्चों को जो बच्चे बाप पर 100% निश्चय रख, निर्भय हो बाप की अँगुली पकड़ चलते रहते है...।

और देखो, आप बच्चों के पास तो मैं direct आ गया हूँ ... और आपकी हर समस्या का समाधान करने अर्थात् दुःख को सुख में परिवर्तन करने के लिए मैं बंधा हुआ हूँ।

यह जो भी समस्या आप बच्चों के पास आ रही है वो आपके कल्याण के निमित्त ही आ रही हैं।
यह परिस्थितियां ही आपको powerful बना, सच्चा हीरा बना देती है।

बस, आप बाप पर निश्चय रख बाप की अँगुली अर्थात् श्रीमत पकड़ चलते चलो...।
सोच-सोच कर भारी मत होना, सर्वशक्तिमान् बाप आप बच्चों के साथ है।

आप बच्चों का भविष्य बहुत उज्जवल है, इसलिए बाप पर निश्चय के साथ-साथ अपने ऊँच स्वमान पर भी 100% निश्चय रखो। यह निश्चय ही विजय का आधार है...।
एक संकल्प भी व्यर्थ नहीं होना चाहिए...।

आप बच्चों के साथ जो कुछ भी हो रहा है उसमें बस कल्याण ही समाया हुआ है। सर्वशक्तिमान् बाप की direct नज़र आप बच्चों के ऊपर है, तो आप भी मैं और मेरा करने की बजाए तेरा-तेरा कर, हल्के रह खुशी-खुशी से आगे बढ़ो...।
फिर आपके रास्ते की हर रूकावट खत्म होती जाएगी...।

यदि घबरा जाओगे फिर बाप का हाथ और साथ छूट जायेगा।
हिम्मत से चलते चलो ... बस थकना मत...।
थकावट आना अर्थात् हार जाना और संकल्पों से हार खाने वाले व्यक्ति की विजय असम्भव है।

विजय आपका जन्म-सिद्ध अधिकार है, इस निश्चय और नशे में रहो।

यह मत सोचो कि किसी भी समस्या का समाधान कब होगा, कैसे होगा ... बल्कि यह सोचो; बाप (परमात्मा शिव) ज़िम्मेवार है जब भी होगा, जैसे भी होगा उसमें केवल मेरा ही कल्याण है - यह निश्चय और निश्चिन्त अवस्था ही आपको मंज़िल तक पहुँचाएगी।

अच्छा। ओम् शान्ति।

ओम शांति।
05.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, परिस्थितियों के बारे में ज्यादा सोचो मत अर्थात् उधर ध्यान मत दो ... बल्कि उस समय सब कुछ बाप को समर्पण कर बाप की याद में बैठ जाओ, तो आपका सम्पन्न (फरिश्ता) स्वरुप आपके रास्ते की सभी रुकावट साफ कर, आपको मंज़िल पर शीघ्र ही पहुँचा देगा...।
पर इसके लिए बाप की हर श्रीमत को अपने साथ रखो...।

Drama का जो scene चल रहा है ... जैसे भी चल रहा है ... उससे साक्षी हो जाओ, हलचल में अचल रहो...।

यह साक्षी और अचल स्थिति समय से पहले ही आपकी हर problem को solve कर, आपको हल्का कर ... आपको अपनी मंज़िल पर समय से पहले पहुँचा, विश्व-परिवर्तन के कार्य की आपकी percentage को बढ़ायेगी ... जो कार्य, आपको और भी बाप के समीप अर्थात् माला में number आगे लेने में मददगार बनेगा।

बस बच्चे, स्वयं पर full attention रखो...।

यदि आप योग स्वरुप ... अर्थात् बाप की याद भूल भी जाती है या कोई गलती भी हो जाती है, तब भी घबराना नहीं है ... बल्कि फिर बाबा-बाबा कर अपने रास्ते पर आ जाना है।

आप जितना knowledgeful रहोगे और साथ ही साथ स्वयं पर भी attention रखोगे तो जल्दी ही आपकी सभी कमी-कमज़ोरी भी खत्म हो जायेगी, जोकि बस खत्म होने वाली ही है...।

देखो, बाप तो सबकुछ जानता है ... इसलिए आप बच्चों का बाप के प्रति सच्चा प्यार और लगन देख आपको समझानी देता रहता है, ताकि बच्चे शीघ्र ही अपने लक्ष्य स्वरुप बन जाये...।

बस, आप भी बाप पर 100% निश्चय रख बाप की श्रीमत प्रमाण चलते चलो...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
04.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, स्वयं को आत्मा अर्थात् point of light ... मास्टर सर्वशक्तिमान् समझ, मुझ परमात्मा अर्थात् point of light सर्वशक्तिमान् को याद करो - यह याद ही आत्मा को शक्तिशाली बनाती है...।
और शक्तिशाली आत्मा ही सर्व परिस्थितियों को सहज ही पार कर अपनी मंज़िल पर पहुँच सकती है।

बस बच्चे, स्वयं को इस पुरुषार्थ में busy रखो।
जितना आप स्वयं को ऊँच स्वमान में अनुभव करोगे अर्थात् स्वयं को विशेष आत्मा समझ कर्म-व्यवहार में आओगे, उतना ही इस जड़जड़ीभूत दुनिया से न्यारा होना सहज हो जायेगा और न्यारी आत्मा ही बाप की प्यारी बन, बाप (परमात्मा पिता) के कार्य में मददगार बन सकती है...।

बच्चे, स्वयं के मन-बुद्धि पर attention रखो और बार-बार मन-बुद्धि द्वारा स्वयं को ऊँच स्वमान में स्थित कर सर्वशक्तिमान् बाप के संग जाकर बैठ जाओ।

देखो बच्चे, यह जो समय जा रहा है, वह इस कल्प का अन्तिम अर्थात् last घड़ियाँ जा रही है ... तो सभी आत्माओं का हिसाब-किताब clear होना है और सभी को शान्त और पवित्र बन घर जाना है।
परन्तु उनसे पहले आपको अपना हिसाब-किताब clear कर, अपने अनादि स्वरूप में स्थित हो बाप के संग बैठ, विश्व-कल्याण का कार्य करना है।

इसलिए, आपको अपनी कमी-कमज़ोरी ... हिसाब-किताब सबको बिन्दी लगा अर्थात् मन-बुद्धि द्वारा हर चीज़ से साक्षी हो स्वयं को ऊँच स्वमान में स्थित करना है ... यही अभ्यास आपको बाप की मदद का पात्र बनायेगा अर्थात् बाप की याद से शक्तिशाली बनने वाली आत्मा ही स्वयं का और विश्व का कल्याण कर सकती है। अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
03.02.2019

★【आज का पुरूषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, महसूस करो कि चारों तरफ *light ही light* है ... बस *light ही light* है..., मैं आत्मा अपने घर में हूँ ... परमधाम, अपना घर केवल *light ही light* है ... हज़ारों सूर्य से भी तेजोमय *light ही light* है...।

यह *light* सुख ... शान्ति ... शक्ति ... पवित्रता अर्थात् सभी गुणों से भरपूर है ... यह *light* मन को शीतल और आनन्दमय करने वाली है ... इस *light* के आगमन से ही दुनिया का परिवर्तन होगा...।

बस स्वयं को भी *light* समझना है और अनुभव करना है कि मेरे चारों तरफ भी बस *light ही light* है ... यह *light* इन स्थूल नेत्रों से नहीं देखी जा सकती ... बस अनुभव की जा सकती है।

जिस तरह इस स्थूल दुनिया की सारी कारोबार चाहे direct ... चाहे indirect, *light* के आधार से ही चलती है ... *light* नहीं तो कुछ भी नहीं...।

इसी तरह इस अलौकिक जीवन में *परमात्म light* नहीं, तो कुछ भी नहीं...।

इसलिए अपने इस अनुभव को बढ़ाते जाना है। स्वयं को भी *light ही light* समझना है ... जो *light* ... ज्ञान, गुणों और शक्तियों से भरपूर है...।

जितना हम स्वयं को *light* अनुभव करते जायेंगे ... साथ ही साथ परमात्मा बाप जोकि एक *powerful light* हैं, उनके नीचे रह, चारों तरफ *light ही light* फैलाने का अनुभव और अभ्यास बढ़ाते जायेंगे, उतनी जल्दी ही इस विश्व का परिवर्तन होगा।

बस बच्चे, अब इसी अनुभव को बढ़ाओ जोकि बहुत सहज है और प्राप्तियाँ भी अपरमअपार है...।

यह *light* ही हमें सम्पन्न बनायेंगी ... साथ ही विश्व का कल्याण करेगी ... ।

बच्चे, जब आप हलचल वाली परिस्थिति में शान्त हो ... खुश हो ... अर्थात् परिस्थिति के समय भी शक्ति और गुणों को साथ रखते हो तो आप *light-might* स्वरुप में हो।

बस, इसी तरह किसी ना किसी विधि द्वारा *light* को अपने साथ रखो - इस *light* के द्वारा ही silence की science पर विजय होगी।
बस बच्चे, *light* भव ... *might* भव ...।

अच्छा। ओम् शान्ति

Om Shanti
02.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते है ... बच्चे, आप निश्चिन्त रहो ... बाबा की श्रीमत पर चलने की कोशिश करते रहो ... जब तक आपका पुराना हिसाब-किताब clear नहीं होता, तब तक स्थिति ऐसे ही ऊपर-नीचे होगी...!

परन्तु ... आप बच्चों को स्वयं पर attention रखने का पुरुषार्थ करना ही है ... इसमें ना ही थकना है ... और ना ही हार खानी है ... बस, आपकी श्रीमत पर चलने की कोशिश ही आपको विजयी रत्न बनायेगी।

देखो, जब रास्ता थोड़ा difficult अर्थात् ऊँचाई के साथ-साथ smooth भी नहीं होता तो speed, automatically कम हो जाती है।
यदि, यात्री फिर भी आगे बढ़ने का पुरुषार्थ करता रहे, तो कुछ मुश्किल रास्ता तय कर आगे रास्ता भी तय हो जाता है और उसका experience भी बढ़ जाता है।

और यहाँ तो परमात्मा बाप की आप बच्चों पर direct नज़र है, तो बाप तो आप बच्चों का पुरुषार्थ देख आपको जल्द ही आपकी मंज़िल तक पहुँचा ही देगा ... बस, धैर्यतापूर्वक पुरुषार्थ करते रहो...।

साथ ही साथ स्वयं को ज्ञान स्वरूप ... गुण स्वरूप ... शक्ति स्वरूप बनाने पर भी attention रखना।

बस, स्वयं को बाबा की श्रीमत प्रमाण चलाने का attention ही आपको बाप-समान बना देगा..., इसलिए आप दिलशिकस्त मत होना ... बस धैर्यतापूर्वक पुरुषार्थ करते रहना...।

बच्चे, किसी हाल में भी अपनी खुशी मत छोड़ना, आपकी खुशी ही आपको उमंग-उत्साह दिला आपकी मंज़िल तक पहुँचायेगी...। अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
01.02.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, अब समय अनुसार समर्पण भाव को बढ़ाते जाओ...।

जितना-जितना समर्पण भाव को बढ़ाते चले जाओगे ... उतना ही मैं और मेरे-पन से दूर अर्थात् वैराग्य वृत्ति अर्थात् एकरस स्थिति अर्थात् निन्दा ... स्तुति ... सुख ... दुःख ... मान ... अपमान ... सबमें एक-समान स्थिति हो जायेगी...।

बच्चे, जितना-जितना समर्पण भाव बढ़ता जायेगा, उतना ही अशरीरी स्थिति में स्थित होना easy हो जाएगा ... इच्छाओं का अन्त हो जायेगा ... सन्तुष्टता ... खुशी ... और उमंग-उत्साह बना रहेगा, जिससे आप हल्के रह उड़ते रहोगे और कर्म करते भी कर्म से न्यारे रह कर्मातीत अवस्था हो जायेगी।

बच्चे, इस स्थिति को ही बाप-समान स्थिति कहा जाता है।

इस स्थिति में स्थित रहने से आप बच्चों को बहुत सहज कामयाबी मिलेगी और आपके संकल्प भी सिद्ध होने शुरु हो जायेंगे...।

बस बच्चे, attention दे जो कुछ भी मेरा है उसे तेरा-तेरा करने का पुरुषार्थ करो ... यहीं पुरुषार्थ आप बच्चों को PASS WITH HONOUR बना देगा...।

अच्छा। ओम् शान्ति।